हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा "पौधशाला तकनीक एवं औषधीय पौधों की खेती" विषय पर वन विज्ञान केंद्र, जम्मू में दिनांक 02.12.2016 को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन |

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान , शिमला द्वारा **" पौधशाला तकनीक एवं औषधीय पौधों की खेती "** विषय पर जम्मू क्षेत्र के किसानों के लि ए राज्य वन अनुसंधान संस्थान , जम्मू, जम्मू - कश्मीर के सहयोग से दिनांक 02.12.2016 को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के जम्मू स्थित वन विज्ञान केंद्र में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जम्मू क्षेत्र के 36 किसानों ने भाग लिया । शेर- ए – कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रोद्द्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू के कृषि विज्ञानं केंद्र, जम्मू ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 36 किसानों को लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया|

श्री सत्य प्रकाश नेगी , अरण्यपाल एवं प्रभाग प्रमुख , कृषि वानिकी व विस्तार प्रभाग , हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने किसानों, मेहमानों और वक्ताओं का इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वागत किया | उन्होंने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान , शिमला द्वारा हिमाचल प्रदेश और जम्मू व् कश्मीर में की जा रही अनुसन्धान गतिविधियों के बारे में किसानों को अवगत करवाया | उन्होंने यह भी बताया कि अनुसन्धान गतिविधियों के परिणामों को किसानों तक पहुँचाना हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के मुख्य उद्देश्यों में से एक है |

श्री बी. ए म. शर्मा , निदेशक, राज्य वन अनुसंधान संस्थान , जम्मू, जम्मू व् कश्मीर ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन किया | अपने उदघाटन भाषण में उन्होंने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान , शिमला द्वारा हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू व् कश्मीर में की जा रही अनुसन्धान गतिविधियों तथा अनुसन्धान परिणामों को जनता तक पहुँचाने के प्रयास को सराहा | उन्होंने lllताबताया कि औषधीय पौधों का उपयोग केवल आयुर्वेद में ही नहीं अपितु एलोपैथी, होमियोपैथी और दवाईयों की अन्य प्रणालियों में भी उपयोग होता है | उन्होंने औषधीय पौधों की वैज्ञानिक कृषिकरण पर जोर दिया तथा किसानों को अपनी फसलों के साथ औषधीय पौधों के कृषिकरण से अपनी कमाई बढ़ाने को प्रोत्साहित किया |

डॉ. संदीप शर्मा, वैज्ञानिक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने उदघाटन सत्र के अपने धन्यवाद ज्ञापन में राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जम्मू का इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग देने के लिए धन्यवाद दिया | उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र, जम्मू को भी सहयोग के लिए धन्यवाद दिया |

पूर्वाहन सत्र में डॉ. संदीप शर्मा , वैज्ञानिक-एफ, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान , शिमला ने किसान पौधशाला तैयार करना और केंचुआ खाद तैयार कर ने के बारे में किसानों को जानकारी उपलब्ध कराया | उन्होंने जैविक खेती में केंचुआ खाद के लाभ के बारे में किसानों को विस्तत जानकारी दी ।

डॉ. पुनीत चौधरी , वैज्ञानिक, शेर- ए – कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रोद्द्योगिकी विश्वविद्यालय , जम्मू ने महत्वपूर्ण औषधीय पेड़ों से आय को बढ़ाने के बारे में किसानों को बताया | उन्होंने महत्वपूर्ण औषधीय पेड़ों के उगाने की तकनीक के बारे में भी किसानों को जानकारी दी जिससे कि उन की आय में वृद्धि हो सके |

डॉ. सुरेश चंद्रा , प्रमुख वैज्ञानिक , इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंटीग्रेटीव मेडिसिन, जम्मू ने ग्रामीण खुशहाली को बढाने में लघु वन पदार्थो की महत्वत्ता के बारे में जानकारी दिया तथा किसानो को औषधीय पौधों की खेती कर आय में वृद्धि करने हेतु प्रोत्साहित किया |

अपराहन के सत्र में डॉ. ललित मोहन गुप्ता , वरिष्ठ वैज्ञानिक, शेर- ए – कश्मीर कृषि , विज्ञान एवं प्रोद्द्योगिकी विश्वविद्यालय , जम्मू ने किसानों को जम्मू क्षेत्र के कंडी क्षेत्र में पाए जाने वाले औषधीय पौधों के बारे में जानकारी दी तथा इन क्षेत्रों में औषधीय पौधों की खेतीकरण के बारे में बताया जिससे कि किसान अपनी आय को बढ़ा सकें |

डॉ. जगदीश सिंह , वैज्ञानिक-एफ, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने आय बढ़ाने के लिए बगीचों के बीच में औषधीय पौधों के कृषिकरण के बारे में किसानों को बताया | उन्होंने किसानों को बागवानी तथा अन्य फसलों के साथ औषधीय पौधों का इंटर-क्रोपिंग से अतिरिक्त आय बढ़ाने हेतु जानकरी उपलब्ध कराया |

अंत में, श्री सत्य प्रकाश नेगी, अरण्यपाल एवं प्रभाग प्रमुख, कृषि वानिकी व विस्तार प्रभाग, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने किसानों को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय भाग लेने के लिए धन्यवाद किया और यह आशा व्यक्त किया कि वे इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से प्राप्त ज्ञान को अपने खेतों में उपयोग करेंगे तथा इससे अवश्य ही लाभान्वित होंगे |

Media coverage

भारतीय औषधीय पौधों की विश्व बाजार में बड़ी मांग

शिमला, 2 दिसम्बर (जस्टा): प्राचीनकाल से भारत में औषधियों का भंडार रहा है। आयुर्वेदिक चिकित्सा में इन पौधों का उपयोग दवाई के रूप में किया जाता रहा है। वर्तमान समय में इनकी कृषि की संभावनाएं और भारतीय औषधीय पौधों की विश्व बाजार में भी बहुत मांग बढ़ी है। निदेशक जम्मू-कश्मीर राज्य वन अनुसंधान संस्थान बी.एम. शर्मा ने जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि औषधीय पौधों की पहचान बढ़ने में सामाजिक जीवन में उपयोगिता बढ़ गई है।

वर्तमान अंग्रेजी दवाइयों में 25 प्रतिशत भाग औषधीय पौधों का है तथा शेष कृत्रिम पदार्थ होता है। औषधीय पौधों की जो प्रजातियां उपयोग में लाई जाती हैं, वे पूर्णतय: प्राकृतिक हैं। उन्होंने औषधीय पौधों की वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि किसान इनका उत्पादन कर अपनी आर्थिक स्थिति के साथ-साथ देश की आर्थिक नींव मजबूत कर सकते हैं। शुक्रवार को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा पौधशाला तकनीक एवं औषधीय पौधों की खेती विषय पर किसानों के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 35 किसानों ने भाग लिया।

कल होगी बुशहर कल्याण सभा की बैठक

शिमला, 2 दिसम्बर (ब्यूरो): बुशहर कल्याण सभा शिमला की बैठक 4 दिसम्बर को होटल आशियाना में आयोजित होगी। बैठक का समय दोपहर बाद 2 बजे रखा गया है। इस बैठक में बुशहर कल्याण सभा के सभी पदाधिकारी भाग लेंगे।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sat, 03 December 2016
epaper.punjabkesari.in//c/15130547

अमु 3/12/16

औषधीय पौधों की खेती से आय में होगी बढ़ोतरी

खेती में वैज्ञानिक तरीके अपनाने पर जोर

अमर उजाला ब्यूरो

जम्मू।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा पौधशाला तकनीक एवं औषधीय पौधों की खेती विषय पर जम्मू क्षेत्र के किसानों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

हिमालयन वन अनुसंधान के सत्य प्रकाश नेगी ने प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि संस्थान ने जम्मू और लेह में क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र स्थापित किया है। औषधीय पौधों की खेती से किसानों की आय में वृद्धि होगी। जम्मू कश्मीर राज्य वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक बीएम शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद के अलावा एलोपैथी दवाओं के निर्माण में भी औषधीय पौधों की मांग रहती है। उन्होंने औषधीय पौधों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की आवश्यकता पर बल दिया और

ई असेंबली प्रोजेक्ट की समीक्षा

जम्मू (ब्यूरो)। युवा सेवा एवं खेल विभाग के मंत्री मौलवी इमरान रज़ा अंसारी ने शुक्रवार को विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर ई असेंबली प्रोजेक्ट की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों से आईटी विभाग को समय पर आपत्तियां, जवाब और दूसरी सामग्री उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। ई असेंबली प्रोजेक्ट से पेपर वर्क को कम करके सारी प्रक्रिया कंप्यूटरीकृत की जाएगी। मंत्रियों को टैबलेट उपलब्ध करवाकर आपत्तियों, उनके जवाब दिए जाएंगे। समय की बचत को ऑनलाइन फार्मेट का इस्तेमाल किया जाएगा। सचिव आईटी ने कहा कि सत्र में वाईफाई उपलब्ध करवाई जाएगी।

कहा कि किसान इसका उत्पादन कर अपनी आर्थिक स्थिति के साथ साथ देश की अर्थ व्यवस्था में भी योगदान दे सकते हैं।

किसानों को औषधीय पौधों की खेती का प्रशिक्षण

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने पौधशाला तकनीक एवं औषधीय पौधों की खेती विषय पर जम्मू क्षेत्र के किसानों के लिए जम्मू स्थित जम्मू-कश्मीर राज्य वन अनुसंधान संस्थान में शुक्रवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम में जम्मू क्षेत्र के लगभग 35 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक जम्मू-कश्मीर राज्य वन अनुसंधान संस्थान बीएम शर्मा ने किया। शर्मा ने कहा कि प्राचीनकाल से भारत में औषधियों का भंडार रहा है। आयुर्वेदिक चिकित्सा में इन पौधों का उपयोग दवाई के रूप में किया जाता रहा है। वर्तमान में इसकी कृषि की संभावनाएं और अधिक बढ़ गई हैं। उन्होंने औषधीय पौधों की वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस प्रशिक्षण में डा. संदीप शर्मा तथा हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक डा जगदीश सिंह, डा पुनीत चौधरी तथा डा ललित मोहन गुप्ता आदि ने किसानों को संबोधित किया। ब्यूरो

अमर उजाला, दि. 3/12/2016

हिमाचल दस्तक, 3/12/2016

35 किसानों ने जम्मू में सीखे औषधीय खेती के गुर

शिमला। प्रदेश में औषधीय पौधों की खेती के लिए पड़ोसी राज्य जम्मू में प्रदेश के किसानों को ट्रेनिंग दी गई। दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश के 35 किसानों ने भाग लिया। यह ट्रेनिंग हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला की ओर से करवाई गई। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के अरण्यपाल सत्य प्रकाश नेगी ने बताया कि जम्मू तथा लेह में क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र स्थापित कर दिए गए हैं। आने वाले समय में जम्मू-कश्मीर राज्य में जम्मू-कश्मीर राज्य वन अनुसंधान संस्थान जम्मू के साथ मिलकर विभिन्न वानिकी अनुसंधान परियोजनाओं को आरंभ करने जा रहा है। नेगी ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में औषधीय पौधों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन किया जाएगा।

3/12/2016

किसानों को दी औषधीय पौधों की जानकारी

जागरण संवाददाता, जम्मू : हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला की ओर से पौधशाला तकनीक एवं औषधीय पौधों की खेती विषय पर जम्मू क्षेत्र के किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। इसमें जम्मू क्षेत्र के लगभग 35 किसानों ने भाग लिया। सत्य प्रकाश नेगी , अरण्यपाल, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमाला ने प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत किया और संस्थान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह संस्थान पश्चिमी हिमालय क्षेत्र के राज्यों जैसे हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर में वानिकी अनुसंधान का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि संस्थान ने जम्मू तथा लेह में क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र स्थापित कर दिए है। इसके अलावा आने वाले समय में प्रदेश में वानिकी अनुसंधान परियोजनाओं को आरंभ करने जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ बीएम शर्मा, निदेशक जम्मू-कश्मीर राज्य वन अनुसंधान संस्थान ने किया। उन्होंने कहा कि प्राचीनकाल से ही भारत औषधि का भंडारण रहा है। वर्तमान समय में इसकी कृषि की संभावनाएं और अधिक बढ़ गई है।